ISSN 970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 39 अंक 2–3 अप्रैल–जुलाई 2015 (संयुक्तांक)

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1.	अभिव्यक्ति की आज़ादी एवं सीखने की स्वायत्तता... भित्ति पत्रिका	केवलानंद काण्डपाल	5
2.	ख्वाबों के जहाज़	शारदा कुमारी	14
3.	पूर्व-प्राथमिक स्तर पर अभिभावकों की सहभागिता एवं उनसे संपर्क	रीतू चंद्रा	18
4.	टूटते जीवन मूल्यों में मार्गदर्शन एवं परामर्श की प्रासंगिकता	राघवेंद्र पति त्रिपाठी प्रभात कुमार मिश्र	24
5.	कबाड़ से जुगाड़ और खिलौनों से विज्ञान नवाचार का केंद्र	अरविंद गुप्ता भेंटवार्ता – निमिष कपूर	29
6.	गिनने की समझ	सत्यवीर सिंह अनिल कुमार तेवतिया	38
7.	अंकों की आपाधापी में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.) की किरण	रुचि वर्मा	45
8.	कैसे सुधारें सरकारी शिक्षकों की कार्य कुशलता? एक विमर्श	आलोक गार्डिया	51

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है–
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

9. विद्यार्थियों की जिज्ञासा पर कहानी सुनने के प्रभाव का अध्ययन — प्रशान्त अग्निहोत्री, अनुभा मिश्रा — 55

बालमन कुछ कहता है

10. भूतपूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम — मेधा — 67

कविता

11. रचनावाद — सौरभ कुमार

0- + 2015.indd 2 5/26/2017 9:14:46 AM